



ਨੈਟ ਸੂਰ ਦੇ ਇਕ ਸਿਰਫ਼ ਦੁ ਏਕਾ ਭਾਵਨ ਦੀ ਸਮੱਝਿਤ ਹਰਦੀ ਜਿਥੋਂ ਬਸਾ
ਗੁਰਾਂਮੁਟਮ ਰਾਖਾਵਰ • ਕਾਨਾ

फातिमा अस्पताल में शुरू हुई नई डायलिसिस यूनिट

जल्द, गंगारस्तुः : परिमाण अभ्यासतल में सेमेनल एवं नये डॉक्टरिस्म पुनर्जट शुरू हो गई। इसका उद्घाटन शुरू करति विग्रहेट पुरुष के बाल्क्ष व प्रबंध नियोजक चैम्ब ग्रामा अभ्यासतल ने किया। इस पुर्णह की स्थापना विग्रहेट इसका नियोजितडे के सहयोग से की गयी है। इस अवसर पर डिप्पय विमा ब्रुक्समटटम भी मौजूद हो। वा इसी प्रकार महावीर करत रहना अभ्यासतल के नियोजक चैम्ब सभा ने संघरण करते हुए कहा कि ऐसीट धूर्ण हीरंगी व तमारवरी को नियोजन घेजन अभ्यासतल में मौजूद कराता है। डॉक्टरिस्म पुनर्जट के सचिव और संस्थानक व अध्याधीप का भी उद्घाटन प्रबंध नियोजक ने किया कथ्यक्रम में लगाई। कुमार अनंद

मुझे अतिथि ने कहा कि लेखित
कलम में पाठिया अमरकाल से हुए
लोगों ने रोपीये जो मंजूर करे। उन्होंने
अपने विचारकार्य छोड़ जा बढ़ाना
किया। संघर्षण आगे भी अमरकाल अवधारणा मोहरामा लम्हा प्रौढ़ा से
अविदेशी लाया, एवं लखनपंथी, उत्तर प्रदेश

सहारा | www.rashtriya-sahara.com

नृ फातिमा अस्पताल : शुरू हुई डायलिसिस यनि

A photograph showing four men in white lab coats standing together. The man on the left is holding a framed certificate or award. They appear to be in a professional setting, possibly a medical or scientific office.

प्रायोगिक विज्ञान के लोकसभा का अन्त गैरिक उत्तम विविधता वाले हैं। सरकारी विदेशी विद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसरों ने गैरिकारण के अधिकारी विषय में एक विश्वविद्यालय व विद्यालय का अधिकारी बनने की आवश्यकता दर्शायी। इस विभाग का विभिन्न विषयों पर अध्ययन, विभिन्न विभागों की विभिन्न विद्यालयों से सेवा करना और विभिन्न विभागों की विभिन्न विद्यालयों से सेवा करना चाहिए।

०. आरसी श्रीवास्तव

के दिन में सत्तर ही रहीम हुए। जब तब उस विशेषज्ञ का इस काम का प्रयोग हो गया तो यहाँ संस्कृत एवं अंग्रेजी से ही ही और इंस्ट्रुमेंट, दम वाले भी अपनी बायोलॉजी को जीवनका हुए। उस अवधि का एक अद्वितीय घटनाकाल था।

Digitized by srujanika@gmail.com



| समय समय पर गरीबों को चिकित्सा सेवा
देता है फ़ातिमा अस्पताल : सीपी अग्रवाल

Digitized by srujanika@gmail.com

पारी वापर, पैसेशन्स। पारी वापर
मिया कलीम असहाय धीम है।
लोकतं को अधुरीय गोड़ी तुम
कलीम सुनि जो लोकतंग मिया
हो।

इसका निर्माण गोलासुर के द्वयामैय से पी लड़ाकल से ही उत्तरित क

उत्तम पूर्व या उत्तम नियन्त्रण
परंपराएँ रोमान्य के वर्षभूल लिया
जीवन धर्म चुनौती के अवधि
प्रयत्न के ज्ञान लिया। को ज्ञान के
अद्वितीय स्थलमें वह को वर्षभूल
ज्ञानात्मक स्थल या वर्ष वर्षभूल
जीवन की संसार जगत् है। वर्षभूल
पूर्ण महिल वर्षभूल दोनों के बीच
में मुख्य विवरण हैं कि ज्ञानम्
जीवन के विद्य विन का यथा अविन